केवल मूल्यांकनकर्ता के उपयोग हेतु!

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

32 पृष्ठीय

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे। प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तां

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक	प्रश्न क्र	पृ क्रम
1				
2				
3				
4				
5				
6				
7				
8				
9				
10				
11				
12				
13				
14				
15				
16				

...SHRIVASTAVA
V.No.1408

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रमाणित किया जाता है कि अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख ... र अंकों की प्रविष्टि एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक ...	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
...RWAR V.No.2039	SU... TIWARI V.No....199

योग पूर्व पृ

प्रश्न क्र.

उत्तर कं - 1

(i) (अ) भगत जी

(ii) (स) मराठी

(iii) (ब) भी

(iv) (अ) 1556

(v) (स) दो

(vi) (ब) अथलिकार

B

S

3

योग

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रं - 2

i वेब दुनिया

ii भार

iii व्यतिरेक

iv जैनेन्द्र कुमार

v तीन

vi पाठशाला

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

BSE

④

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रं - 3

i असत्य

ii असत्य

iii सत्य

iv सत्य

v सत्य

vi सत्य

5

प्रश्न क्र.

उत्तर क्र - 4

i अतरगा साक्षात्कार - देवल

ii हरिवंशराय बच्चन - हालावाद

iii प्रगतिवाद - 1936

iv यशोधरा - सिल्वर वैडिंग खण्डकाव्य

v कथानक - कहानी

vi संस्कृत के मूल शब्द - तत्सम

vii यशोधर बाबू - सिल्वर वैडिंग

BSJ

अंक

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYAPRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्र - 5

i दो

ii मुसीबत मे पड़ते- पड़ते बच जाना
खतरे से बच जाना

iii मोअनजो - दड़ो

iv 15 से 30 मिनट

v धर्मवीर भारती

vi निर्वेद

vii दुनिया रोज बनती है

B
S
E

7

अंक कुल अंक

MADHYA PRADESH BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्रश्न क्र.

अथवा

महाकाव्य	खण्ड काव्य
1. महाकाव्य मे नायक के सम्पूर्ण जीवन का वर्णन होता है।	खण्डकाव्य मे नायक के जीवन का एक पक्ष का वर्णन होता है
2. महाकाव्य का कलेवर विस्तृत होता है	खण्डकाव्य काव्य कलेवर सीमित होता है
3. महाकाव्य मे बहुतसेछंदो का प्रयोग होता है	खण्डकाव्य में कम छंदो का प्रयोग होता है
उदाहरण - रामचरितमानस	उदा - पद्मावती

B
S
E

उत्तर क्र - 7
अथवा

वीर रस
सहृदय के हृदय में उत्साह नामक स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव और संचारी भाव के संयोग होता है तब वीर रस की निर्मित होता है।

8

प्रश्न क्र.

कुल अंक

उदाहरण बुन्देले हर बोलो की मुँह, हमे सुनी कहानी थी।
खूब लड़ी मर्दानी वो तो झाँसी वाली रानी थी॥

उत्तर क्रं - 8

उत्तर → भक्तिन का स्वभाव ऐसा था कि वह स्वंय को न बदलती पर दूसरे को देहाती कर देती है इसी प्रकार महादेवी वर्मा भक्तिन के भोजन की देहाती हो गई रात का मकई का दालिया सुबह मट्ठे के साथ खाना, बाजार के तेल से पुए बनाना, ज्वरे के हरे चने भुने हुए उनकी खिचड़ी बनाना, सफेद लापसी आदि इस प्रकार का भोजन से महादेवी वर्मा देहाती हो गई

उत्तर क्रं - 9

कहानी	उपन्यास
1. कहानी का आकार छोटा होता है।	उपन्यास का आकार बड़ा होता है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

2. कहानी को पढ़ने मे कम समय लगता है	उपन्यास को पढ़ने मे ज्यादा समय लगता है
3. कहानी में जीवन की एक घटना का वर्णन होता है	उपन्यास में सम्पूर्ण जीवन का वर्णन होता है
उदाहरण - पूस की रात	उदा- त्यागपत्र

उत्तर क्रं - 10
अथवा

राष्ट्रभाषा की विशेषता

1. राष्ट्रभाषा देश का गौरव होती है।
2. राष्ट्रभाषा बहुसंख्या लोगों द्वारा बोली जाती है
3. राष्ट्रभाषा विभिन्न देशों से सम्पर्क करने का सेतु होती है
4. राष्ट्रभाषा का साहित्य विस्तृत होता है।

B S E

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्र - 11

वाक्यों का शुद्धी -करण

1. राम को अयोध्या जाना है

2. ललिता फूलों की माला बाजार से लाई

उत्तर क्रं - 12

मोअनजो-दड़ो की नगर नियोजन की विशेषताएं निम्न हैं

1. मोअनजो-दड़ो कि सड़क समकोण पर कटती थी. दोनों तरफ ढकी हुई नालियाँ थी

2. मुअनजो दड़ो के घरों कि वास्तुशिल्प समान, एक सी थी प्रत्येक घर मे स्नानघर होते थे।

3. मुअनजो दड़ो में एक बड़ा महाकुंड, बौद्ध स्तूप था इस शहर का सौन्दर्य आश्चर्य जनक था यहाँ साफ-सफाई अनुशासन बहुत ही अच्छा था

B
S
E

प्रश्न क्र.

उत्तर क्र - 13

अथवा

उत्तर → मुद्रित माध्यमों मे लेखन के लिए ध्यान रखने योग बाते निम्न है

1. भाषा शुद्ध, सरल, स्पष्ट होनी चाहिए पाठकों को पढ़ने मे आसानी होनी चाहिए, कठिन शब्दों का प्रयोग नही किया जाना चाहिए।

2. शब्द के बीच स्थान होना चाहिए जिसे वह साफ-सुधारी देखती है। यहाँ बहुत जरूरी होता है शब्दों मे "स्पेस" दे।

मुद्रित माध्यम एक अल्प माध्यम होता जिसे पढ़ा जाता है इसलिए इसको साफ-सफाई के साथ लेखना चाहिए। अशुद्धियों को सुधार कर फिर छापना चाहिए

उत्तर क्रं - 14

उ० बच्चे अपने माता-पिता की आशा मे नीड़ों से झांक रहे होते है। जो सुबह जल्दी भोजन की खोज में निकले होते, उनके वात्सल्य से दूर और भोजन के लिये व्याकुल बच्चे अपने माता-पिता का इतंजार करते हुए घोसले से

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

से झाँक रहे होते हैं।

उत्तर क्रं- 15
अथवा

प्रयोगवाद की विशेषताएं
1. नवीन विषयों पर रचना - इस समय के कवियों ने साधारण - साधारण, सरल - सरल विषयों पर लेख लिखा है।

2. बौद्धिकता - इस युग के कवियों ने भावों की अपेक्षा विचार पूर्ण रचना लिखी है।

1. अज्ञेय - हरी घास पर क्षण भर, तार सप्तक
2. धर्मवीर भारती - अँन्धा युग, गुनाहों का देवता

BSE

प्रश्न क्र.

उत्तर क्र - 10

रघुवीर सहाय

1. दो रचनाएँ - हँसो हँसो जल्दी, लोग भूल गये है

2. भावपक्ष

1. मध्यमवर्गीय जीवन का चित्रण - रघुवीर सहाय ने अपनी रचनाओं मे मध्यम वर्गीय जीवन का यथार्थ चित्रण किया है किसी प्रकार वह अपनी दुख, पीड़ाओं, कष्टों को झेलता है और उनमें कैसे खुश रहता है।

2. समकालीन समाज का चित्रण - सहाय जी ने अपनी रचनाओं समकालीन समाज का सजीव वर्णन किया है।

3. भ्रष्टाचार पर प्रहार - सहाय जी ने समय समय पर लोकतंत्र मे फैले भ्रष्टाचार, अनियमितताओं पर तीक्ष्ण प्रहार कर के सब के सामने उजागर करे है।

4. देशभक्ति की भावना - रघुवीर सहाय जी सच्चे देशभक्त थे और समाज के उन्हें व्यक्ति जो अपनी समाज और देश की भलाई के लिये कार्य करता है साथी समाज मे फैले

Laser, Inkjet & Copier Label
Oddy

योग पूर्व पृष्ठ

प्रश्न क्र.

अंधविश्वास और रूढ़ियों का विरोध अपनी रचनाओं के सहारे करता थे।

कलापक्ष

1. भाषा - भाषा एक वह माध्यम होता है जिसे अपनी बात ज्यादा से ज्यादा व्यक्तियों तक पहुँचा सकते हैं अपने अपनी रचनाओं में इस बात का पुरा ध्यान रखते हुऐ शुद्ध साहित्यिक खड़ीबोली हिन्दी को अपनाया है इसके साथ अपने तत्सम और तद्भव शब्दों का प्रयोग किया।

अलंकार - रघुवीर सहाय जी ने शब्दालंकार और अर्थालंकार दोनों का प्रयोग किया साथ मे रूपक श्लेष, अनुप्रास, उपमा आदि अलंकार का प्रयोग।

3. छंद - रघुवीर सहाय जी ने मुख्यता मुक्तक छंद का प्रयोग अपनी रचनाओं मे किया है।

4 बिम्ब योजना - आपकी बिम्ब योजना सुन्दर और सटीक है। आपने प्रकृति का वर्णन इस प्रकार किया जैसे वह हमारी आँखो के समाने।

B
S
E

www.oddyindia.com
Laser Inkjet & Copier Label ST-16 A4 99.1mm x 33.9mm

प्रश्न क्र.

उत्तर क्र० - 17

महादेवी वर्मा

रचना - सांध्यगीत, यामा

भाषा - महादेवी वर्मा ने अपनी भाषा को शुद्ध, सरल सहज रखने के लिये शुद्ध साहित्य खड़ीबोली को अपनाया है इसको आकर्षक बनाने के लिये हिन्दी, उर्दू, अंग्रेजी, फारसी तत्सम शब्दों का प्रयोग किया और इसके साथ इन्होंने मुहावरे और लोकोक्तियों का यथा स्थान प्रयोग किया जिसके कारण इनकी भाषा सभी को बहुत पसंद आती है बहुत ही सरलता से समझी जा सकती है।

शैली

1. चित्रात्मक - किसी घटना, व्यक्ति, वस्तु, स्थान को चित्रों के माध्यम दिखा चित्रों के साथ देखने से आप समझ ली अपने आनुभी इस कला का प्रयोग बहुत ही अद्भुत तरीके से किया है।

B
S
E

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

२. भावनात्मक शैली- भावओं से जोड़े विषय मे इस शैली का प्रयोग होता है महादेवी वर्मा जी अपनी रचनाओ मे बहुत से ऐसे विषय लेती थी जो मानव की भावनाओ से जुड़ी होती थी।

3. विवरणात्मक शैली- किसी गम्भीर विषय और विचार पूर्ण रचना मे इस शैली का प्रयोग होता है इसकी भाषा गम्भीर होती है।

4. वर्णनात्मक शैली- किसी भी घटना, व्यक्ति, वस्तु का वर्णन शब्द के माध्यम से किया जाऐ वह वर्णनात्मक शैली होती इसे कथा मे जीवन्ता आती है कथा रोचक बनती है।

साहित्य मे स्थान - उपन्याकार, निबन्धकार, कहानीकार के रूप मे छायावादी की प्रसिद्ध लेखिका महादेवी वर्मा जी जिन्होनें विभिन्न विधाओं मे लेख लिखकर गद्य साहित्य को बढ़ावा दिया जिसके साथ साहित्य मे व्यवहारकेता भी प्रादान करी, उन्होनें अपनी रचनाओं से हिन्दी साहित्य भारपूर्ण योगदान दिया है आपका स्थान हमेशा अद्वितीय रहेगा और आपके ऋणी रहेगे।

B
S
E

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रं 18
अथवा

मुहावरे	लोकोक्ति
1. मुहावरे वाक्यांश होते है	लोकोक्ति वाक्य होते है
2. मुहावरें का प्रयोग स्वतंत्रता रूप से नही किया जाता सकता	लोकोक्ति का प्रयोग स्वतंत्रता से किया जाता सकता है
3. मुहावरें के अन्त में "ना" होता है	लोकोक्ति के अन्त में "ना" हो ऐसा जरूरी नही होता है।
उदाहरण - आस्तीन का साँप	धोबी का कुत्ता न घर का न घाट का

उत्तर क्रं -19
अथवा

i शीर्षक -> राष्ट्रीय भावना

ii राष्ट्रीय भावना में शौर्यभाव का अपना विशिष्ट स्थान है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

iii सुदीर्घ → लम्बे समय तक
सभी युगो मे

उत्तर क्रं - 20

यह शिरीष _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ रहते है

संदर्भ - प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्य प्रस्तक आरोह - २ से लिया गया है इसके रचयिता हजारी प्रसाद द्विवेदी जी है।
पाठ का नाम शिरीष के फूल से अवतरित हुआ है।

प्रसंग - प्रस्तुत पंक्तियों में लेखक ने शिरीष के फूल को अद्भुत अवधूत बताया है।

अर्थ - लेखक बताते है कि शिरीष अवधूत के समान है जिस प्रकार अवधूत (सन्यासी) संसार के विषय भोगों से ऊपर उठ कर जीवन के सुख, दुख, पीड़ा भय में भी जीवन का रस -पीता रहता है ठीक इसी प्रकार शिरीष का फूल जब खेला रहता है जब धरती अग्नि कुंड के समान हो रही होती है जब चारों गरमी, लू उमड़ में भी खेला रहता है और अपनी सुन्दरता

B
S
E

फैलता रहता है मानो जैसे उसने मृत्यु पर विजय प्राप्त कर ली हो जाने कैसे यहाँ फूल खीला रहता है जब सब गरमी और लू से परेशान है ऐसा लगता है कि शिरीष के फूल वायुमण्डल से रस खीचता हो और मौज मे आठों याम मस्त रहता है जीवन का आनंद उठाता रहता है।

उत्तर कं- 21
अथवा

प्रात नभ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ धुल गई हो

संदर्भ -> प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्य आरोह-2 में उषा पाठ से अवतरित हुआ है इसके शमशेर सिंह जी है।

प्रसंग -> प्रस्तुत पंक्तियों मे कवि ने उषा के समय का अद्भुत वर्णन किया है

अर्थ -> कवि कहते है कि अभी आकाश से पौ नही हटा है मतलब अभी सूर्योदय नही हुआ है आकाश का रंग नीले शंख जैसा देख रहा होता है यहाँ समय उषा का समय कहलाता है।

प्रश्न क्र.

इसे समय आकाश में बहुत सुन्दर परिवर्तन होते हैं समय-समय पर उसमे कुछ नया रूप देखने मिलता है नीले शंख जैसा आकाश अब राख से लीपे हुऐ चौके के समान देख रहा जैसे स्लेटी रंग परन्तु वहाँ चौका अभी गीला है थोड़े से समय के पश्चात्‌ वह काली सिल पर पीसे केसर को घोलने के बाद वह सिल जैसी दिखती है ठीक उसी प्रकार का आकाश होता है यहाँ दृश्य बहुत सुन्दर होता है।

S
E

उत्तर क्रं - २२

प्रदूषण का बढ़ता प्रभाव

" साँस लेना भी अब मुश्किल हो गया "
" वातावरण में इतना प्रदूषण हो गया "

रूपरेखा

1. प्रस्तावना
2. प्रदूषण के कारण
3. प्रदूषण के प्रकार
4. प्रदूषण से बचने के उपाय
5. उपसंहार

प्रश्न क्र.

1. प्रस्तावना - मनुष्य का जीवन प्रार्यवरण पर आधरित होता है यदि प्रार्यवरण प्रदूषते होता है तो यहाँ सब से बुरा प्रभाव मानव जाति पर होगा। प्रदूषण पृथ्वी को नष्ट करने की क्षमता रखता है। इसके कारण बहुत सी परेशानी खड़ी होती है आधुनि योग ने इस बात को पुरी तरह भुला दिया है वह ऐसे कार्य कर रही है जिसे प्रदूषण बढ़ता जा रहा है।

B
S
E

2. प्रदूषण के कारण - आज का योग विज्ञान का योग है हर एक दिन नई वस्तु की खोज हो रही है जिसे मानव जीवन अभी के लिये तो सुखी हो रहा है परन्तु भविष्य पर खतरा बढ़ता जा रहा है। आज वन को काटना, धरती खोदना पानी को बरबादे करना बहुत ही आम बात है परन्तु इन सब से वातावरण पर बहुत बुरा प्रभाव प्रदूषण के रूप मे हो रहा है

3 प्रदूषण के प्रकार - इस युग हर एक कार्य प्रदूषण करता जा रहा है जिसे प्रदूषण भी काई प्रकार का होता जा रहा है जैसे जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण, रसायन प्रदूषण, भू प्रदूषण सभी प्रदूषण मानव की देवे है। यहाँ सारे प्रदूषण मानव जीवन पर ही खतरा बना हुआ है नदी मे गन्द, अशुद्ध पानी

प्रश्न क्र.

डालना जल प्रदूषण का कारण है जहरीली गैस उद्योगयो से निकलकार प्रयोवरण को प्रदूषित कर रही है जिसका रूप वायु प्रदूषणु ने ले लिया है जिसे बहुत नई बीमारियाँ हो रही है। इसे प्रकार बहुत कार्य है जो प्रदूषण कर रहे है मनुष्यों पर इसका प्रभाव हो रहा है।

4. प्रदूषण से बचाने उपाय - सब से पहले सभी अपनी दिनचार्या बदले, फिर छोटे-छोटे कार्य जैसे कि पेड़ लगाना, बिजली बचनां, पानी बचना, गाड़ी का कम प्रयोग करना, शुद्ध सकाहारी भोजन करना, इन सभी दैनिक कार्य से हम अपना योग दान प्रदूषण कम कर सकते है सरकार को भी अपने कार्य ध्यान देना होगा तभी जाकर प्रदूषण कम होगा।

5. उपसंहार - यदि जल्दी प्रदूषण कम नही किया गया तो यह बहुत बड़ा मुद्दा बन कर सभी को परेशान करेगा। जिसे शायद महादीपयों की बर्फ पिघल रही है और समुद्र मे पानी बढ़ाता है जा रहा है हमे ध्यान देना होगा तभी जाकर प्रदूषण खत्म हो गा।

Laser, Inkjet & Copier Label ST-16 A4
99.1mm x 33.9mm x 16

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

उत्तर क्र- 23
अथवा

46 तारा नगर
इंदौर (म.प्र)
06:03:24

प्रिय मित्र,
मैं आशा करता हूँ आप कुशल होगें मैं यहाँ सकुशल हूँ। आपको बताने में बहुत हर्ष हो रहा है कि मेरे बड़े भाई की शादी 05:04:24 में होने जा रही है कार्यक्रम 1:04:24 से प्रारंभ हो जाए गा। इसीलिए मैं चाहता हूँ तुम अपने परिवार के साथ पाधारो मैं इसके पत्र साथ निमंत्रण भी भेजा है। आप जल्दी आ जाए गये मुझे ऐसी आशा है मैं यहाँ चाहता भी कि आप जल्दी आ जाए जिसे मेरा काम कम हो जाये।

आपका मित्र
राम साहु

B
S
E

कुल अंक

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रं -16

साहित्य मे स्थान - रघुवीर सहाय जी ने अपनी रचनाओं से हिन्दी साहित्य मे वेश योगदान दिया उनके जैसे उच्चकोटि वाले कभी सदियों मे जन्म लेते है वे हमेशा याद रखे जाने वाले कवि है उन्होंने अपनी रचनाओ से हिन्दी साहित्य को लोकप्रसिद्ध बनाया है उनका स्थान हमेशा विशिष्ट और उनके हमेश सब ऋणी है अपने समाज सुधार के लिये और रुढियों अंधविश्वास के प्रति बहुत सी रचना कर के व्यक्तियों प्रेरणा प्रदान करी समाज को भाला किया ।